आजा लाज बचाने | By Mohit Goyal

हम तो आये तेरे द्वारे दु:ख दर्दो के मारे
आजा अब तो लाज बचाने ओ हारे के सहारे

पैदल चल कर रींगस से मैं तेरा निशान उठाऊं
चढ़ कर तेरह पैड़ी बाबा तेरा दर्शन पाऊं
लेने आजा तोरण द्वार पे तेरा ये दास पुकारे
आजा अब तो लाज बचाने ओ हारे के सहारे

मैं श्याम कुंड में नहा के बाबा तेरे दर पे आऊं
केसर इत्र गुलाब लेकर तुझको भेंट चढ़ाऊँ
भोग लगाऊं तुझको बाबा छप्पन भोग तू खा ले
आजा अब तो लाज बचाने ओ हारे के सहारे

तू झोली सबकी भरता बाबा दर जो तेरे आये
इच्छा सबकी पूरी होती ध्यान जो तेरा लगाए
मोहित गोयल के तूने बाबा बिगड़े काम सँवारे
आजा अब तो लाज बचाने ओ हारे के सहारे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c-%e0%a4%ac%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-by-mohit-goyal/